RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-04
Issue-03
March -2019

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com [UGC Listed Journal]

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक की भूमिका का अध्ययन

अतुल कुमार द्विवेदी

शोध छात्र (वाणिज्य), महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना (म0प्र0)

ARTICLE DETAILS

Article History
Published Online: 13 March 2019

Keywords
कुरूक्षेत्र, योजना – नई दिल्ली।

ABSTRACT

भारत सरकार ने छोटे उद्यम शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरूआत 8 अप्रैल 2015 को की है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) गैर–कॉर्पोरेट, गैर–कृषि लघु/सूक्ष्म उद्यमों के लिए 10 लाख रुपये तक के ऋण की सुविधा प्रदान करती है। अनौपचारिक क्षेत्र को वित्तीय स्वावलम्बन प्रदान करने की महत्त्वपूर्ण एवं महत्त्वाकांक्षी योजना ''प्रधानमंत्री मुद्रा योजना'' है। क्योंकि भारत देश की अर्थव्यवस्था में अनौपचारिक क्षेत्र की सघनता एवं व्यापकता, औपचारिक क्षेत्र की तुलना में अधिक है। 'NSSO' का वर्ष 2013 का सर्वे यह स्पष्ट करता है कि भारत देश में असंगठित क्षेत्र के करीब 5.77 करोड़ कारोबारी है और यह क्षेत्र करीब 12 करोड़ लोगों को रोजगार दिए है।

प्रस्तावना

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के प्रमुख उद्देश्य हैं – स्वरोजगार के लिए सरलता से ऋण प्रदान करना व छोटे उद्यमों के माध्यम से रोजगार के अवसरों का सृजन करना। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति बिना किसी सहायक प्रतिभूति के कारोबार शुरू करने के लिए सरलता से ऋण प्राप्त कर सकता है और सरलता से ऋण प्राप्त होने पर अत्यधिक लोग स्वरोजगार हेतु प्रेरित होंगे जिससे रोजगार के अवसर भी प्राप्त होगें। अतः कोई भी व्यक्ति जो अपना कारोबार शुरू करना चाहता है वह प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत ऋण प्राप्त कर सकता है।

मुद्रा (MUDRA – MICRO UNITS DEVELOPMENT AND REFINANCE AGENCY) बैंक का शुभारम्भ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा नई दिल्ली में विज्ञान भवन में एक समारोह में 8 अप्रैल 2015 को किया गया। जिसका उद्देश्य सूक्ष्म एवं लघु औद्योगिक इकाइयों को वित्तीयन एवं उन्हें सहयोग प्रदान करना है। 20000 रु0 करोड की प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में असंगठित क्षेत्र के छोटे कारोबारियों के लिए वित्त एवं पुनर्वित्त की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान है, जिसमें अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों को प्राथमिकता दी जानी है। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य छः करोड से अधिक परिवारों को सहायता प्रदान करना है। इस प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का मुख्य उद्देश्य माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बताया है–

"To Fond the Unfunded"

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से अब आकांक्षी युवा, शिक्षित एवं कुशल कामगारों के आत्मविश्वास में अत्यधिक वृद्धि होगी। अब आकांक्षी युवा, शिक्षित एवं कुशल कामगार पहली पीढ़ी के उद्यमी बनने की इच्छा कर सकेंगे और मौजूदा लघु व्यवसायी भी अपने कारोबार का विस्तार कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत 50000 रु0 तक के ऋण शिशु योजना के तहत, 50001 रु0 से 500000 रु0 तक के ऋण किशोर योजना के तहत, 500001 रु0 से 1000000 रु0 तक के ऋण तरूण योजना के तहत प्रदान किए जाते हैं।

समंक व समय

प्रस्तुत शोध–अध्ययन हेतु इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) का चुनाव किया गया है। इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक उत्तर प्रदेश के 11 जनपदों में कार्य कर रहा है। अध्ययन हेतु प्रायः 2015–16, 2016–17, 2017–18 का समय निर्धारित किया गया है व अध्ययन में द्वितीयक समंकों का प्रयोग किया गया है, जो मुद्रा योजना के वार्षिक प्रतिवेदनों व इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक के वार्षिक प्रतिवेदनों से प्राप्त किए गए हैं।

अध्ययन हेतु उद्देश्य

इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत वितरित ऋण का अध्ययन करना।

मुद्रा योजना की उपलब्धियाँ

देश में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत (बैंकों, नॉन बैंकिंग, फाइनेंशियल कंपनी (NBFCs), माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशन (MFIs) द्वारा) स्वीकृत एवं वितरित ऋण की राशि का वर्णन तालिका संख्या 01 के द्वारा स्पष्ट किया गया है–

RRIJM 2015, All Rights Reserved

तालिका संख्या–1
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत श्रेणीवार व कुल स्वीकृत व वितरित ऋण की स्थिति
(रु0 करोड में)

श्रेणी	ऋण खातों की संख्या (No. of Loans A/cs)	स्वीकृत धनराशि (Sanction Amt.)	वितरित धनराशि (Amt. Disbursed)
वर्ष 2015–16			
(i) शिशु	32401046	62894.96	62027.69
(ii) किशोर	2069461	43052.55	41073.28
(iii) तरूण	410417	31501.76	29853.76
कुल योग	**34880924**	**137449.27**	**132954.73**
वर्ष 2016–17			
(i) शिशु	36497813	85100.74	83891.88
(ii) किशोर	2663502	53545.14	51063.12
(iii) तरूण	539732	41882.66	40357.13
कुल योग	**39701047**	**180528.54**	**175312.13**
वर्ष 2017–18			
(i) शिशु	42669795	106001.6	104228.05
(ii) किशोर	4653874	86732.16	83197.09
(iii) तरूण	806924	60943.34	59012.25
कुल योग	**48130593**	**253677.1**	**246437.39**

स्रोत–Annual Report (MUDRA), 2015-16, 2016-17, 2017-18

तालिका संख्या–1 के अध्ययन से स्पष्ट है कि देश में मुद्रा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2015–16 में 34880924 ऋण खातों में कुल 137449.27 करोड रु0 की धनराशि स्वीकृत की गई है व 132954.73 करोड रु0 की धनराशि वितरित की गई है। वर्ष 2016–17 में 39701047 ऋण खातों में कुल 180528.54 करोड रु0 की धनराशि स्वीकृत की गई है व 175312.13 करोड रु0 की धनराशि वितरित की गई है एवं वर्ष 2017–18 में 48130593 ऋण खातों में कुल 253677.1 करोड रु0 की धनराशि स्वीकृत की गई है व 246437.39 करोड रु0 की धनराशि वितरित की गई है व अध्ययन से यह भी स्पष्ट है कि मुद्रा योजना के अन्तर्गत देश में वर्ष 2015–16, 2016–17 व 2017–18 में प्रतिवर्ष सबसे अधिक धनराशि (ऋण) ''शिशु'' श्रेणी में स्वीकृत की गई है व वितरित भी की गई है। देश में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत तीन वर्ष तक कुल 5.71 लाख करोड रु0 की धनराशि स्वीकृत की गई है जिसमें करीब 12.27 करोड ऋण खातों को लाभ हुआ है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक की उपलब्धि –

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के उद्देश्यों की पूर्ति में इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक अपनी महत्त्वपूर्ण एवं सक्रिय भूमिका निभा रहा है। मुद्रा योजना के अन्तर्गत इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक द्वारा वितरित ऋण की स्थिति तालिका संख्या–2 के द्वारा समझी जा सकती है।

तालिका संख्या–2
प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत बैंक द्वारा लाभार्थियों को वितरित ऋण
रु0 करोड में

वर्ष	लाभार्थी	वितरित ऋण
2015-16	24059	47.08
2016-17	13570	46.21
2017-18	6113	58.69

स्रोत – वार्षिक प्रतिवेदन, इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक (2015–16 से 2017–18)

RRIJM 2015, All Rights Reserved

तालिका संख्या–2 के अध्ययन से स्पष्ट है कि इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015–16 में 24059 लाभार्थियों को 47.08 करोड रु0 का ऋण, वित्तीय वर्ष 2016–17 में 13570 लाभार्थियों को 46.21 करोड रु0 का ऋण व वर्ष 2017–18 में 6113 लाभार्थियों को 58.69 करोड रु0 का ऋण वितरित किया गया है।

निष्कर्ष –

शोध–अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हो रहा है कि देश में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष वृद्धि के साथ ऋण राशि स्वीकृत की गई है व वितरित भी की गई है व इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक के द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अन्तर्गत वर्ष 2017–18 में गत दोनों वर्षों की अपेक्षा अधिक ऋण वितरित किया गया है।

सन्दर्भ सूची

1. ANNUAL REPORT (MUDRA)– 2015-16, 2016-17, 2017-18
2. https://www.Mudra.org.in
3. वार्षिक प्रतिवेदन – इलाहाबाद यू0पी0 ग्रामीण बैंक (2015–16, 2016–17, 2017–18)
4. कुरूक्षेत्र – नई दिल्ली
5. योजना – नई दिल्ली
6. अमर उजाला – कानपुर
7. दैनिक जागरण– कानपुर
8. भारतीय अर्थव्यवस्था – प्रतियोगिता दर्पण, 2017, 2018

RRIJM 2015, All Rights Reserved